No. of Printed Pages : 7

MES–012

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

[M. A. (EDU)]

Term-End Examination

December, 2025

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss the basic philosophical considerations that have implications for curriculum development.

   Or

   Discuss the aims of education in the Islamic (medieval) period.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the concept of education from the perspective of theories of education.

   Or

   Discuss the aims of education vis-a-vis the Ashtamarg of the Buddhist philosophy of education.

3. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Discuss the aims of education according to idealists.

   (b) Describe curriculum planning at the state level.

   (c) Explain the nature of knowledge according to Jnana Yoga.

   (d) Explain the role of 'enculturation' and 'acculturation' in the process of education.

(e) Discuss the influence of Realism on curriculum development.

(f) Describe the features of an 'existentialist' curriculum.

4. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the four pillars of education as described by the Delor's Commission Report. Explain their significance in present day society.

MES–012

शिक्षा में परास्नातक

[एम. ए. (ई. डी. यू.)]

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

पाठ्यचर्या विकास के लिए निहितार्थ रखने वाले आधारभूत दार्शनिक विचारों की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

इस्लामिक (मध्ययुगीन) काल में शिक्षा के उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शिक्षा के सिद्धान्तों के परिप्रेक्ष्य से शिक्षा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

अथवा

शिक्षा के बौद्ध दर्शन के अष्टमार्ग की तुलना में शिक्षा के उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(क) आदर्शवादियों के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए।

(ख) राज्य स्तर पर पाठ्यचर्या नियोजन का वर्णन कीजिए।

(ग) ज्ञान योग के अनुसार ज्ञान की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

(घ) शिक्षा की प्रक्रिया में 'परसंस्कृतिग्रहण' और 'परसंस्कृतिकरण' की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

(ङ) पाठ्यचर्या विकास पर यथार्थवाद के प्रभाव की परिचर्चा कीजिए।

(च) एक 'अस्तित्ववादी' पाठ्यचर्या की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

डेलर आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्णित शिक्षा के चार स्तम्भों की परिचर्चा कीजिए। वर्तमान समाज में उनके महत्व की व्याख्या कीजिए।

× × × × ×